

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले से रात्रि तक चार घंटा योग रहा ?																															
2. व्यर्थ से मुक्त समर्थ स्थिति में रहे ?																															
3. हर परिस्थिति में सन्तुष्ट, बेफिकर रहे ?																															
4. कर्म करते हुए डबल लाइट रहे ?																															
5. दिन में बार-बार अशरीरीपन की ड्रिल की ?																															



चलते-फिरते प्रैक्टिस :- मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

विशेष अभ्यास - मैं आत्मा देह से निकली, परमधाम में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड होकर फुलचार्ज हुई, फिर वापस अपनी देह में, फिर ऊपर बाबा के पास, फिर वापस अपनी देह में..... यह प्रैक्टिस बार-बार करनी है।



अक्टूबर 2026 के योगाभ्यास....

1. मैं डबल लाइट आधारमूर्त आत्मा हूं।
2. मैं बाप समान विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।
3. मैं परम पवित्र फरिश्ता हूं।
4. मैं डबल लाइट फरिश्ता हूं।
5. मैं परोपकारी, शुभचिन्तक आत्मा हूं।
6. मैं अव्यक्तमूर्त उड़ता पंछी हूं।
7. मैं आत्मा अव्यक्त वातावरण की निर्माता हूं।
8. मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूं।
9. मैं सर्व खजानों से संपन्न आत्मा हूं।
10. मैं साइलेन्स की अभ्यासी एकांतवासी आत्मा हूं।

11. मैं आत्मा परमात्म शक्तियों का भंडार हूं।
12. मैं आत्मा पदमापदम भाग्यशाली हूं।
13. मैं आत्मा समर्थ स्मृतियों से संपन्न हूं।
14. मैं शुभ भावना संपन्न विश्वकल्याणी आत्मा हूं।
15. मैं अव्यक्त फरिश्ता हूं।
16. मैं फरिश्ता सर्व आकर्षणों से मुक्त हूं।
17. मैं आत्मा सफलता का सितारा हूं।
18. मैं विघ्नविनाशक ईश्ट देव आत्मा हूं।
19. मैं दिव्यगुण संपन्न पूज्य स्वरूप आत्मा हूं।
20. मैं देही-अभिमानी संतुष्टमणि हूं।
21. मैं तपस्वीमूर्त, मास्टर भाग्यविधाता हूं।

22. मैं सिद्धि स्वरूप आत्मा हूं।
23. मैं मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।
24. मैं आत्मा लाइट हाउस माइट हाउस हूं।
25. मैं आत्मा मास्टर दुःखहर्ता सुखकर्ता हूं।
26. मैं महादानी, वरदानीमूर्त आत्मा हूं।
27. मैं मायाजीत, प्रकृतिजीत आत्मा हूं।
28. मैं संपूर्ण निर्विकारी आत्मा हूं।
29. मैं मास्टर सुखदाता आत्मा हूं।
30. मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूं।
31. मैं आत्मा मस्त फकीर, रमता योगी हूं।

ओम् शान्ति